पृथ्वी

पृथ्वी तुम घूमती हो
तो घूमती चली जाती हो
अपने केंद्र पर घूमने के साथ ही
एक और केंद्र के चारों ओर घूमते हुए लगातार

क्या तुम्हें चक्कर नहीं आते
अपने आधे हिस्से में अँधेरा
और आधे में उजाला लिए
रात को दिन और दिन को रात करते
कभी-कभी काँपती हो
तो लगता है नष्ट कर दोगी अपना सारा घरबार
अपनी गृहस्थी के पेड़ पर्वत शहर नदी गाँव टीले
सभी कुछ को नष्ट कर दोगी

पृथ्वी क्या तुम कोई स्त्री हो

तुम्हारी सतह पर कितना जल है
तुम्हारी सतह के नीचे भी जल ही है
लेकिन तुम्हारे गर्भ में
गर्भ के केंद्र में तो अग्नि है
सिर्फ अग्नि

पृथ्वी क्या तुम कोई स्त्री हो

कितने ताप कितने दबाव और कितनी आर्द्रता से
अपने कोयलों को हीरों में बदल देती हो
किन प्रक्रियाओं से गुजर कर
कितने चुपचाप

रत्नों से ज्यादा रत्नों के रहस्यों से
भरा है तुम्हारा हृदय

पृथ्वी क्या तुम कोई स्त्री हो

तुम घूमती हो
तो घूमती चली जाती हो ।

अभ्यास

कविता के साथ

1. कवि को पृथ्वी स्त्री की तरह क्यों लगती है ?
2. पृथ्वी के काँपने का क्या अभिप्राय है ?
3. पृथ्वी की सतह पर जल है और सतह के नीचे भी । लेकिन उसके गर्भ के केंद्र में अग्नि है । स्त्री के संदर्भ में इसका क्या आशय होगा ?
4. पृथ्वी कोयलों को हीरों में बदल देती है । क्या इसका कोई लक्ष्यार्थ है ? यदि हाँ तो स्पष्ट करें ।
5. 'रत्नों से ज्यादा रत्नों के रहस्यों से भरा है तुम्हारा हृदय'–कवि ने इस पंक्ति के द्वारा क्या कहना चाहा है ?
6. 'तुम घूमती हो तो घूमती चली जाती हो ।' यहाँ घूमना का क्या अर्थ है ?
7. क्या यह कविता पृथ्वी और स्त्री को अक्स-बर-अक्स रखकर देखने में सफल रही है । इस कविता का मूल्यांकन अपने शब्दों में करें ।

कविता के आस-पास

1. आपके विचार से क्या पृथ्वी और स्त्री में समानताएँ हैं ? कविता से अलग हटकर अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दें ।
2. इस कविता में कुछ भौगोलिक और वैज्ञानिक तथ्यों की ओर संकेत हैं, वे क्या हैं ? उनकी चर्चा करें ।
3. पृथ्वी के भीतर जीवश्म ईंधन बनने की प्रक्रिया की चर्चा अपने विज्ञान शिक्षक से करें ।
4. अपनी कल्पना शक्ति से 'नदी' पर एक कविता लिखने का प्रयास करें ।
5. इस कविता में प्रयुक्त स्त्री के स्थान पर अपनी माँ को रखकर एक निबंध लिखें ।
6. कवि पेशे से इंजीनियर रहे, कविता पर इसका प्रभाव किस रूप में दिखाई पड़ता है ?

भाषा की बात

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखें –
   पृथ्वी, जल, अग्नि, स्त्री, दिन, हीरा
2. 'कभी-कभी काँपती हो' में 'कभी-कभी' में कौन-सा समास है ? ऐसे चार अन्य उदाहरण दें ।

3. इन शब्दों से विशेषण बनाएँ –
   स्त्री, पृथ्वी, केंद्र, पर्वत, शहर, सतह, अग्नि
4. इस कविता में पृथ्वी प्रस्तुत है और स्त्री अप्रस्तुत । आप प्रस्तुत और अप्रस्तुत के भेद स्पष्ट करते हुए इस कविता से अलग चार उदाहरण दें ।
5. 'पृथ्वी क्या तुम कोई स्त्री हो'–यह प्रश्नवाचक वाक्य है या संकेतवाचक । उदाहरण के साथ इन दोनों वाक्य प्रकारों का अंतर स्पष्ट करें ।
6. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य-प्रयोग द्वारा लिंग-निर्णय करें –
   पृथ्वी, स्त्री, केंद्र, गर्भ, जल, अँधेरा, उजाला, ताप, हृदय, प्रक्रिया, गृहस्थी, घरबार

शब्द निधि

आर्द्रता	:	नमी
गृहस्थी	:	गृह-व्यवस्था
सतह	:	ऊपरी तल